DPL–04

December – Examination 2022

Diploma in Prakrit Language Examination

पाण्डुलिपि विज्ञान एवं प्राकृत पाण्डुलिपियाँ

Paper : DPL-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) मुष्टी पाण्डुलिपि क्या है ?

   (ii) भाषा एवं लिपि में क्या अन्तर है ?

   (iii) नागरी लिपि का विकास कहाँ हुआ है ?

(iv) ताल वृक्ष कितने प्रकार का होता है ?

(v) पाठालोचन की क्या आवश्यकता होती है ?

(vi) तस्सेव का सन्धि-विच्छेद कीजिए।

(vii) वाच्य के प्रमुख भेद लिखिए।

(viii) 'रूढ़' शब्द किसे कहा जाता है ?

(ix) पेलियोग्राफी क्या है ?

(x) फफूँदी पाण्डुलिपि के क्षय के किस वर्ग में आता है ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. राजस्थान में पाण्डुलिपि के भण्डारों का वर्णन कीजिए।

3. बिम्ब अंकन को संक्षेप में समझाइए।

4. पाठालोचन को समझाइये।

5. ब्राह्मी लिपि पर विशद लेख लिखिए।

6. पाण्डुलिपि सम्पादन की विधियों का वर्णन कीजिए।

7. राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन का वर्णन कीजिए।

8. लेखन के लिए काम आने वाली भौतिक सामग्रियाँ।

9. डॉ. टेसिटरी पद्धति।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. लिपिकर्ता किसे कहते हैं ? लिपिकर्ता के गुणों का वर्णन कीजिए।

11. लिपि क्या है ? ब्राह्मी तथा खरोष्ठी लिपि का वर्णन कीजिए।

12. पाण्डुलिपि की लेखन प्रक्रिया पर विशद लेख लिखिए।

13. पाण्डुलिपि संरक्षण हेतु किए जाने वाली विधियों की समीक्षा कीजिए।